सं. अ. 5-1/2022- ईई.1
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2022

कार्यालय ज्ञापन

विषयः मार्च, 2022 माह का कैबिनेट के लिए मासिक सार - के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को मार्च 2022 के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की महत्वपूर्ण गतिविधियों से संबंधित मासिक सारा की एक प्रति कैबिनेट के लिए परिचालित करने का निर्देश हुआ ।

संलग्नक : उपरोक्तानुसार

(राजेश सैम्पले)
अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाष सं: 011-23384589

सेवा में

1. सभी मंत्रिपरिषद
2. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/ विभाग के सचिव।
3. भारत के राष्ट्रपति के सचिव (राष्ट्रपति के सचिव), राष्ट्रपति भवन , नई दिल्ली।
4. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव (उप- राष्ट्रपति के सचिव), मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।

जानकारी के लिए कॉपी:

- माननीय शिक्षा मंत्री के निजी सचिव
- राज्य मंत्री के निजी सचिव, शिक्षा मंत्रालय
- सचिव (एसईएंडएल) के पीपीएस

(राजेश सैम्पले)
अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाष सं: 011-23384589

शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

मार्च, 2022 के लिए कैबिनेट के लिए मासिक सार

मार्च, 2022 के दौरान महत्वपूर्ण घटनाक्रम और गतिविधियां

I. वित्तीय उपलब्धियां/रिलीज:

31 मार्च, 2022 तक बीई का 85.49% जारी किया गया था।

II. महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और गतिविधियाँ/पहल:

क. नीति संबंधी चर्चा/बैठकें:

महत्वपूर्ण मुद्दे/विकास

क्रम सं.	विषय	संक्षेप
1	समग्र शिक्षा	• समग्र शिक्षा के तहत मार्च 2022 तक जारी धनराशि- 25060.90 करोड़ रुपये। • निम्नलिखित राज्यों के लिए समग्र शिक्षा के पीएबी से पहले वित्तीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई: i. 4 मार्च को छतीसगढ़ और गुजरात ii. 9 मार्च को हरियाणा। iii. 10 मार्च को एनसीटीई। iv. 14 मार्च को झारखंड। v. सिक्किम प्री-पीएबी बैठक 15 मार्च को और पीएबी 25 मार्च को vi. 29 मार्च को पश्चिम बंगाल।
2	**न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी)**	वित्त वर्ष 2022-27 के दौरान न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी) के कार्यान्वयन से परिचित कराने के लिए 25.03.2022 को सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी। एनआईएलपी पर एक पीपीटी प्रस्तुत किया गया और योजना के लिए एनआईसी द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकी अनुप्रयोगों पर प्रदर्शन दिए गए। इसके बाद योजना से

		संबंधित मुद्दों पर सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ बातचीत की गई।
3	**निपुण भारत मिशन**	सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को 23 से 26 मार्च, 2022 तक सैंपल किए गए स्कूलों में 'फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी' आयोजित किया गया था ताकि मूलभूत अधिगम स्तर (ग्रेड 3 के अंत में) पर छात्रों के अधिगम के स्तर की प्रत्यक्ष समझ तैयार की जा सके। यह अध्ययन दुनिया में अपनी तरह का पहला है और इसका उद्देश्य 22 भारतीय भाषाओं में समझ के साथ पढ़ने के लिए मानक स्थापित करना है। फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी एनसीईआरटी द्वारा आयोजित की गई थी। आधारभूत अधिगम अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं: • निपुण भारत मिशन के लिए आधार रेखा स्थापित करने हेतु ग्रेड 3 के छात्रों की मूलभूत शिक्षा का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन करना • अध्ययन के तहत मूल्यांकन की जा रही प्रत्येक भाषा के लिए समझ के साथ प्रवाह के लिए पठन प्रवीणता बेंचमार्क स्थापित करना • एसडीजी 4.1.1 के लिए डेटा प्रदान करना (बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के पहलुओं को शामिल करना) स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किए गए 100 दिनों के पठन अभियान 'पढ़े भारत' के एक भाग के रूप में एनसीईआरटी द्वारा 30 मार्च, 2022 को "रीडिंग फॉर लर्निंग एंड प्लेजर" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। निपुण भारत मिशन के तहत नेशनल स्टीयरिंग कमेटी फॉर फाउंडेशनल लर्निंग (जिसे पहले ओरल रीडिंग फ्लुएंसी के नाम से जाना जाता था) की नौवीं, दसवीं और ग्यारहवीं बैठक वर्चुअल मोड के माध्यम से क्रमशः 21, 29 और 30 मार्च, 2022 को आयोजित की गई थी।
4	**परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी)**	माननीय प्रधान मंत्री ने 1 अप्रैल, 2022 को परीक्षा पे चर्चा के 5वें संस्करण के दौरान दुनिया भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, माननीय प्रधान मंत्री ने कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली छात्रों, उनके माता-पिता और

		शिक्षकों के साथ तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में सुबह 11 बजे से टाउन-हॉल इंटरेक्टिव प्रारूप में बातचीत की। देश के कोविड-19 महामारी से बाहर आने और परीक्षाओं के ऑफलाइन मोड में वापस जाने के मद्देनजर कार्यक्रम का पांचवां संस्करण विशेष महत्व रखता है। जिन छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को प्रधान मंत्री से प्रश्न पूछने थे, उन्हें विषयों के समूहों पर एक ऑनलाइन रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता के आधार पर सूचीबद्ध किया गया था। प्रतियोगिता का आयोजन 28 दिसंबर 2021 से 3 फरवरी, 2022 तक माईजीओवी प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया गया था। इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में 15.7 लाख प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें 12.1 लाख से अधिक छात्र, 2.7 लाख शिक्षक और 90 हजार से अधिक अभिभावक शामिल थे। पीपीसी में दिल्ली/एनसीआर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के 360 छात्रों, एनवीएस के 50 छात्रों, देश-विदेश के विभिन्न सीबीएसई स्कूलों के 350 छात्रों, उत्तर प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के 50 छात्रों, हरियाणा शिक्षा बोर्ड के 50 छात्रों और राष्ट्रीय बाल भवन के 50 छात्रों ने भाग लिया। . पीपीसी के दौरान विद्यार्थियों की कला एवं शिल्प कला की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
5	**मिशन शिक्षा- एलपीडी**	(i) 10 मार्च, 2022 को सचिव (एसई एंड एल) की अध्यक्षता में देश में 10 कम प्रदर्शन वाले जिलों के प्रदर्शन में सुधार के मिशन के तहत गतिविधियों के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई। (ii) मिशन शिक्षा- एलपीडी के तहत इसे लागू करने की रणनीति के साथ बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए सभी राज्यों / जिलों के प्रतिनिधियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यशाला 28 और 29 मार्च 2022 को एनसीईआरटी में आयोजित की गई थी।
6	**बालवाटिका से ग्रेड**	शिक्षा मंत्रालय द्वारा निपुण भारत मिशन को बुनियादी साक्षरता

	3 तक निपुण भारत लक्ष्य पर पोस्टर	और संख्यात्मकता की सार्वभौमिक प्राप्ति को सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है, ताकि प्रत्येक बच्चा 2026-27 तक ग्रेड 3 के अंत में पढ़ने, लिखने और अंकगणित में वांछित अधिगम की क्षमता प्राप्त कर सके। निपुण भारत के माध्यम से, मिशन के तहत सभी महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए छात्रों, उनके स्कूलों, शिक्षकों, माता-पिता और समुदायों के साथ, हर संभव तरीके से समर्थन और प्रोत्साहित करने की परिकल्पना की गई है, जो वास्तव में भविष्य के अधिगम का आधार है। विभिन्न हितधारकों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा बालवाटिका से ग्रेड 3 तक निपुण भारत लक्ष्य पर पोस्टर बनवाए गए हैं। सीबीएसई ने अपने स्कूलों से इन पोस्टरों को स्कूलों में उचित स्थान पर प्रदर्शित करने को कहा है।
8	स्टार्स योजना	माह के दौरान धनराशि जारी करना: केरल: 3910.38 लाख रुपये मध्य प्रदेश: 2778.97 लाख रुपये
9	**युडाइज +**	भारत की स्कूली शिक्षा पर एकीकृत जिला सूचना प्रणाली शिक्षा प्लस (युडाइस+) 2020-21 पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है। रिपोर्ट की मुख्य बातें हैं: **स्कूलों में छात्र और शिक्षक:** 2020-21 में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक स्कूली शिक्षा में नामांकित कुल छात्र 25.38 करोड़ थे। 2019-20 में 25.10 करोड़
		नामांकन की तुलना में 28.32 लाख नामांकन की वृद्धि हुई है। सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) जो भागीदारी के सामान्य स्तर को मापता है, 2019-20 की तुलना में स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर 2020-21 में सुधार हुआ है। 2019-20 की तुलना में 2020-21 में स्तर के अनुसार जीईआर हैं: उच्च प्राथमिक में 89.7% से 92.2%, प्राथमिक में 97.8% से 99.1%, माध्यमिक में 77.9% से 79.8% और उच्चतर माध्यमिक में क्रमशः 51.4% से 53.8%। 2020-21 के दौरान 96.96 लाख शिक्षक स्कूली शिक्षा में लगे हुए हैं। यह 2019-20 में स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की संख्या की तुलना में लगभग 8800 अधिक है। 2020-21 में छात्र शिक्षक अनुपात (पीटीआर) प्राथमिक के लिए 26, उच्च प्राथमिक के लिए 19, माध्यमिक के लिए 18 और उच्च

		माध्यमिक के लिए 26 था, जो 2018-19 से सुधार दिखा रहा है। 2018-19 के दौरान प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक के लिए पीटीआर क्रमशः 28, 20, 21 और 30 था। 2020-21 में 12.2 करोड़ से अधिक लड़कियों को प्राथमिक से उच्च माध्यमिक में नामांकित किया गया है, जिसमें 2019-20 में लड़कियों के नामांकन की तुलना में 11.8 लाख लड़कियों की वृद्धि हुई है। **<u>गैर-शिक्षण कर्मचारी</u>** पिछले कुछ वर्षों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या में भी सुधार हुआ है। 2018-19 में 12.37 लाख की तुलना में 2020-21 के दौरान कुल गैर-शिक्षण कर्मचारी 15.8 लाख थे। गैर-शिक्षण कर्मचारियों में लेखाकारों, पुस्तकालय सहायकों, प्रयोगशाला सहायकों, प्रधान लिपिकों, एलडीसी/यूडीसी कर्मचारियों की संख्या 2018-19 से 2020-21 तक 2.05 लाख जोड़कर 5.79 लाख से बढ़कर 7.8 लाख हो गई है। **<u>स्कूल अवसरंचना :</u>** कार्यात्मक विद्युत् आपूर्ति वाले स्कूलों ने 2020-21 के दौरान प्रभावशाली प्रगति की है, जिसमें 57,799 स्कूलों में बिजली प्रदान की गई है। 2018-19 में 73.85 प्रतिशत की तुलना में अब कुल स्कूलों में से 84% में कार्यात्मक विद्युत् आपूर्ति की सुविधा है, जो इस अवधि के दौरान 10.15% का उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है। कार्यात्मक पेयजल वाले स्कूलों का प्रतिशत 2019-20 में 93.7% से 2020-21 में बढ़कर 95.2% हो गया है। इस वर्ष अतिरिक्त 11,933 स्कूलों में शौचालय सुविधा को जोड़कर 2019-20 में 93.2% की तुलना में 2020-21 में कार्यात्मक बालिका शौचालय सुविधा वाले स्कूल का प्रतिशत बढ़कर 93.91% हो गया है। 2020-21 के दौरान हाथ धोने की सुविधा वाले स्कूलों के प्रतिशत में भी सुधार हुआ है और अब यह 2019-20 में 90.2% की तुलना में 91.9% है। कार्यात्मक कंप्यूटर वाले स्कूलों की संख्या 2019-20 में 5.5 लाख से बढ़कर 2020-21 में 6 लाख हो गई, जो 3% की वृद्धि दर्शाती है। अब, 40% स्कूलों में कार्यात्मक कंप्यूटर हैं। इंटरनेट सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 2020-21 में बढ़कर 3.7

		लाख हो गई, जो 2019-20 में 2.6% वृद्धि के साथ 3.36 लाख हो गई। **<u>नामांकन पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव:</u>** 2020-21 के दौरान सरकारी सहायता प्राप्त, निजी स्कूल के 39.7 लाख छात्र सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित हुए।

ख: स्वायत्त निकाय गतिविधियां

संगठन	गतिविधि
केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वि.)	• 100 **दिवसीय पठन अभियान: के.वि. शिक्षकों ने** 100 **दिनों के राष्ट्रव्यापी पठन अभियान 'पढ़े भारत' के एक भाग के रूप में** 30 **मार्च**, 2022 **को एनसीईआरटी द्वारा आयोजित "रीडिंग फॉर लर्निंग एंड प्लेजर" वेबिनार में भी भाग लिया है।** • एनईपी-2020 ○ मंत्रालय द्वारा **के.वि.सं.** को सौंपे गए विभिन्न कार्यों के संबंध में 31 मार्च, 2022 तक इस संबंध में की गई प्रगति का विवरण इस प्रकार है: ○ टास्क नंबर 32 (एनईपी पैरा 2.2) - कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने वाले केन्द्रीय विद्यालय के लगभग 11600 शिक्षकों ने निष्ठा 3.0 एफएलएन ऑनलाइन पाठ्यक्रम में दाखिला लिया है और लगभग 90% शिक्षकों ने एनसीईआरटी द्वारा डिजाइन और लॉन्च किए गए पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ○ कार्य संख्या 149 (एनईपी पैरा 5.8 - 5.14) - शिक्षकों और स्कूल नेताओं के लिए स्कूलों में अनुकूल अधिगम का माहौल बनाने हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए एनआईईपीए के विशेषज्ञों की मदद से मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। इन मॉड्यूल का उपयोग केन्द्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान द्वारा शिक्षकों और प्राचार्यों के आंतरिक प्रशिक्षण के दौरान किया जा रहा है।

<table>
<tr>
<td></td>
<td>

कार्य संख्या 153 (एनईपी पैरा 5.15 - 5.16 और 5.17 - 5.19) - के.वि.सं. की अपनी प्रशिक्षण नीति है। इसे एनईपी -2020 की सिफारिशों के साथ संरेखित करने के लिए मौजूदा के.वि.सं. प्रशिक्षण नीति की समीक्षा करने के लिए एनसीईआरटी के सदस्य सहित एक समिति का गठन किया गया है।
कार्य संख्या 85 (एनईपी पैरा 4.1 - 4.8) - के.वि.सं. एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित होने पर एनसीएफएसई की सिफारिशों के अनुरूप कार्य योजना तैयार करेगा। हालांकि, केवीएस ने अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने और शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए मॉड्यूल भी तैयार किए हैं। इसका उपयोग शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के प्रशिक्षण के ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड के दौरान किया जा रहा है।
टास्क नंबर 144 (5.2 - 5.7) - के.वि.सं. वर्ष 2021 की वार्षिक स्थानांतरण प्रक्रिया 31.12.2021 को बंद कर दी गई थी।
टास्क नंबर 178 (एनईपी पैरा 6-7 - 6-9) - प्री-स्कूल सेक्शन को जोड़ने के लिए आकांक्षी जिलों में स्थित के.वि, मुद्दों पर विचार किया जाना है:

i) प्रवेश की आयु पर पुनः विचार किया जाएगा।
ii) स्कूलों की पहचान-एकल बनाम कई खंड।
iii) मौजूदा के.वि. में बुनियादी ढांचे का उन्नयन।
iv) प्रशिक्षित प्री-स्कूल शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति।
v) बजटीय आवश्यकता।
vi) एनईपी के अनुसार कक्षा । में प्रवेश के लिए प्रवेश आयु को पुन: संरेखित करना

कार्य संख्या 231 (एनईपी पैरा 16.1 - 16.8) - बच्चों की स्कूल की अवधि के दौरान व्यावसायिकता के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और कौशल विकसित करने के लिए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कक्षा - VIII में सभी 1205 केवी में एक व्यावसायिक विषय के रूप में प्रस्तुत किया गया।

</td>
</tr>
<tr>
<td>नवोदय विद्यालय</td>
<td>क. नई शिक्षा नीति-2020 कार्यान्वयन.</td>
</tr>
</table>

समिति (एनवीएस)	0 एनईपी-**2020** के तहत स्किल हब पहल की स्थापना: एनईपी-**2020** के तहत स्किल हब पहल के लिए **100** जवाहर नवोदय विद्यालयों की पहचान की गई है और **31.03.2022** को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त स्किल हब पहल के तहत **85** स्किल हब केंद्रों को कार्यात्मक बनाया गया है। 0 स्कूली शिक्षा के फिनिश मॉडल के संचालन के लिए जेएनवी का नामांकन: नई शिक्षा नीति-**2020** के संरेखण में कौशल शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा के फिनिश मॉडल (फिनलैंड शिक्षा प्रणाली) के संचालन के लिए **8** जवाहर नवोदय विद्यालयों की पहचान की गई है। 0 अटल टिंकरिंग लैब - शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला: स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब संसाधनों के इष्टतम उपयोग की सुविधा के लिए, एनवीएस द्वारा अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) और विक्रम ए। साराभाई सामुदायिक विज्ञान केंद्र (वीएएससीएससी) के सहयोग से शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। अटल टिंकरिंग लैब सुविधाओं वाले जेएनवी के कुल 38 शिक्षकों ने मार्च- 2022 के महीने के दौरान एनएलआई गोवा और एनएलआई पुरी में आयोजित कार्यशालाओं में भाग लिया है। **ख. आज़ादी का अमृत महोत्सव:** O युवा संसद: जेएनवी अल्लेप्पी (केरल) ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए संसदीय कार्य मंत्रालय के कार्यक्रम के तहत **07** मार्च, **2022** को युवा संसद की विशेष बैठकें आयोजित की हैं। o शहीद दिवस का पालन: 23.03.2022 को शहीद दिवस मनाने के लिए स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक महत्व के कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। ग. **अन्य गतिविधियां, कार्यक्रम और उपलब्धियां:** ○ मार्च माह, **2022** के दौरान आयोजित फिट इंडिया गतिविधियां: मार्च माह, **2022** के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालयों में फिट इंडिया मासिक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। फिट इंडिया कार्यक्रम की गतिविधियों में कुल **1,15,523** छात्रों और **393** जवाहर नवोदय विद्यालयों के **4,156** शिक्षकों ने भाग लिया है। ○ वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर नई/द्वितीय स्ट्रीम का उद्घाटन: शैक्षणिक सत्र **2022-23** के लिए मार्च माह, **2022** के दौरान **22** जवाहर नवोदय विद्यालयों में नई स्ट्रीम और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर **10** जवाहर नवोदय विद्यालयों में द्वितीय स्ट्रीम को मंजूरी दी गई है। ○ पहला ग्लोबल यूथ टूरिज्म समिट (जीवाईटीएस): जेएनवी के दो

	छात्रों को पहले ग्लोबल यूथ टूरिज्म समिट (जीवाईटीएस) में भाग लेने के लिए नामांकित किया गया है, जो **27** जून, **2022** से **3** जुलाई, **2022** तक इटली में आयोजित होने वाला है। ○ अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह का आयोजन: जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करते हुए 8 मार्च, 2022 से 14 मार्च, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह मनाया गया है।
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)	• भाषा शिक्षा विभाग द्वारा 28 फरवरी 2022 से 4 मार्च 2022 तक 'माध्यमिक स्तर पर छात्रों के बीच स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए हिंदी में साहित्यिक लेखन के संग्रह का विकास' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। • स्कूली शिक्षा के लिए एआर, वीआर, सिमुलेशन और वर्चुअल प्रयोगशाला के पाठ्यचर्या आधारित सामग्री के कार्यक्रम विकास के तहत 21 फरवरी से 8 मार्च 2022 तक माध्यमिक स्तर पर विज्ञान में स्टोरीबोर्ड की समीक्षा करने के लिए सीआईईटी द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। • शैक्षिक मीडिया कार्यक्रम के विकास और प्रसार कार्यक्रम के तहत 58 वीडियो कार्यक्रम और 527 ऑडियो कार्यक्रम तैयार किए गए। • पीएम ईविद्या डीटीएच-टीवी लाइव टेलीकास्ट के तहत, कक्षा आधारित चैनलों (1 से 10) पर प्रत्येक 30 मिनट के 1622 लाइव इंटरएक्टिव सत्र, कक्षा आधारित चैनलों (11 और 12) पर प्रत्येक में 60 मिनट के 161 लाइव इंटरएक्टिव सत्र, 526 लाइव परामर्श सत्र 'सहयोग: बच्चों की मानसिक भलाई के लिए मार्गदर्शन', शिक्षकों, शिक्षक शिक्षकों और हितधारकों के लिए प्रत्येक एक घंटे के लिए आईसीटी उपकरणों पर 551 वेबिनार, समावेशी कक्षाओं के लिए शिक्षण शिक्षण हस्तक्षेप के 261 लाइव सत्र - विशेषज्ञ से पूछें, 51 मनोदर्पण लाइव इंटरैक्टिव सत्र और नेशनल स्टूडेंट आउटरीच प्रोग्राम, लिसनिंग टू लर्न पर 32 लाइव इंटरएक्टिव सत्र प्रसारित किए गए हैं।
शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय परिषद (एनसीटीई)	• शिक्षक शिक्षा से संबंधित संक्षिप्त नोट के इनपुट को अंतिम रूप देने के लिए "राज्यों के मुख्य सचिवों के सम्मेलन के संबंध में विशेषज्ञ समूह" की बैठक 2 मार्च, 2022 को आयोजित की गई थी। • एनसीटीई ने 3 मार्च, 2022 को हाइब्रिड मोड में डॉक्टर हरि सिंह गौर

	विश्वविद्यालय, सागर (एमपी) के सहयोग से एनपीएसटी (पैरा 5.20) पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक ओपन हाउस डिस्कशन का आयोजन किया। • एनसीटीई ने 4 मार्च, 2022 को एनसीटीई (मुख्यालय) में हाइब्रिड मोड में और स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएच में ऑफलाइन मोड में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएच) के सहयोग से एनएमएम पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक ओपन हाउस डिस्कशन का आयोजन किया। • एनसीटीई ने 7 मार्च, 2022 को पुडुचेरी में ऑफलाइन में स्कूल शिक्षा निदेशालय, पुडुचेरी सरकार के सहयोग से एनएमएम पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक राष्ट्रीय स्तर की ओपन हाउस चर्चा का आयोजन किया।• एनसीटीई ने 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जिसमें जेंडर समानता, हिंसा, महिलाओं के खिलाफ दुर्व्यवहार, महिला सशक्तिकरण और लिंग संवेदीकरण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। पदमश्री पुरस्कार विजेता और भारतीय राष्ट्रीय महिला कबड्डी टीम के कोच डॉ. सुनील डबास समारोह के मुख्य अतिथि थे। • एनसीटीई ने 9 मार्च, 2022 को हाइब्रिड मोड में आरआईई, मैसूर के सहयोग से एनपीएसटी (पैरा 5.20) पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक ओपन हाउस डिस्कशन का आयोजन किया। • एनसीटीई ने 10 मार्च, 2022 को हाइब्रिड मोड में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से एनपीएसटी (पैरा 5.20) पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक ओपन हाउस डिस्कशन का आयोजन किया।
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी)	• **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:** ○ 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) के अवसर पर, सीबीएसई ने स्कूलों को आईडब्ल्यूडी पर शिक्षा के माध्यम से लड़कियों और महिलाओं के सशक्तिकरण की गति को आगे बढ़ाने के लिए निम्नलिखित सुझाई गई गतिविधियों का पालन करने की सिफारिश की: ○ दिन के विभिन्न विषयों में निर्देश का विषय उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाऑ पर केंद्रित हो सकता है। उदाहरण के लिए, सामाजिक

	अध्ययन में राष्ट्रीय आंदोलन में महिला स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों पर प्रकाश डाला जा सकता है; विज्ञान विषय में, महिला वैज्ञानिकों और उनके द्वारा की गई खोजों/योगदान के बारे में; और भाषाओं में, महिला लेखकों और कवियों द्वारा लिखा गया साहित्य। ○ प्रातःकालीन सभा में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं पर वार्ता। ○ सशस्त्र बलों, पुलिस, विमान पायलटों, वैज्ञानिकों आदि जैसे महिला पेशेवरों द्वारा बातचीत और छात्रों के साथ उनकी बातचीत को सुविधाजनक बनाना। ○ महिला संकाय सदस्यों और कर्मचारियों का सम्मान करना। ○ गृह जिले की प्रमुख/प्रेरणादायक महिलाओं पर निबंध लेखन। ○ जेंडर आधारित भेदभाव को समाप्त करने और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलों पर प्रकाश डालिए/चर्चा कीजिए। ○ मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करना ताकि माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के स्कूल छोड़ने में कमी लाई जा सके। • पीएमकेवीवाई **3.0** योजना के तहत कौशल हब पहल के अंतर्गत सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में 'स्किल हब' की स्थापना • स्किल हब पहल एक अभिनव दृष्टिकोण है जिसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना **3.0** के तहत दिशानिर्देशों के अनुसार लागू किया गया है ताकि स्कूल के समय के बाद स्कूल के मौजूदा बुनियादी ढांचे को 'स्किल हब' के रूप में लाभ दिया जा सके, जो एनईपी **2020** के लक्ष्य को साकार करने के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि **2025** तक कम से कम **50%** शिक्षार्थियों के पास कौशल शिक्षा का अनुभव होगा। • 'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' पर सीबीएसई अभिव्यक्ति श्रृंखला आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के आयोजन के हिस्से के रूप में, सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र **2021-22** के लिए चौथी अभिव्यक्ति श्रृंखला की घोषणा की। अभिव्यक्ति श्रृंखला का विषय 'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' था। स्कूल

	सीबीएसई अभिव्यक्ति के माध्यम से एंड्रॉइड फोन का उपयोग करके **25** मार्च, **2022** से **30** मार्च, **2022** तक प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। • सहोदय आंदोलन को मजबूत बनाना: • वर्तमान में देश भर में **250** से अधिक सहोदय विद्यालय परिसर हैं। सहोदय आंदोलन को दूरस्थ और गैर प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में मजबूती प्रदान करना आवश्यक है ताकि देश भर में अच्छी प्रथाओं को व्यापक रूप से साझा किया जा सके। स्कूलों को सलाह दी गई है कि वे एक शहर में नए सहोदय स्कूल परिसर (एसएससी) के लिए पड़ोसी स्कूलों के साथ सहयोग करें और खुद को सीबीएसई द्वारा पंजीकृत करवाएं। • युविका - युवा विज्ञान कार्यक्रम (युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम): सीबीएसई ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के "युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम" "युवा विज्ञान कार्यक्रम", युविका - **2022** के बारे में सूचना प्रसारित की, जो ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूली बच्चों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य युवाओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते रुझानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस)	• एनआईओएस ने 08 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया: माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं । उन्होंने एनआईओएस ई-लाइब्रेरी 'डिजिटल एजुकेशन एंड ई-रिसोर्स प्लेटफॉर्म' (डीईईपी) का उद्घाटन किया। इस मंच पर ढेर सारी किताबें, पत्रिकाएं, पत्रिकाएं आदि उपलब्ध होंगी, जिससे लाखों छात्रों और आम जनता को फायदा होगा। • मदरसा परियोजना : मदरसा में दाखिले की पैरवी बड़े स्तर पर की गई है. माध्यमिक स्तर पर स्ट्रीम-1 ब्लॉक-2 में पिछले दो वर्षों में कुल नामांकन 1164 है। • मुक्ता कौशल केंद्र अमेठी, उत्तर प्रदेश में महिलाओं/लड़कियों के लिए अमेठी में कौशल प्रशिक्षण के दूसरे बैच की शुरुआत। वर्ष 2019 में एनआईओएस ने उस जिले की लड़कियों/महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उस जिले की महिलाओं और लड़कियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अमेठी में एक कौशल विकास केंद्र की स्थापना की थी। परिणामस्वरूप 74 महिलाओं/लड़कियों ने कार्यक्रम

	के लिए अपना पंजीकरण कराया, जो शिक्षार्थियों को निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है।

ग. ई-शासन के कार्यान्वयन की स्थिति

इस विभाग में ई-ऑफिस पूरी तरह से क्रियान्वित है। सूचना, संचार और लेनदेन का आदान-प्रदान ई-ऑफिस/ई-मेल के माध्यम से किया जाता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य सरकारों/अन्य मंत्रालयों/स्वायत्त संगठनों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं।